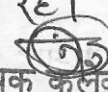


<p>तारीख हुकम</p>	<p>हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल जज</p>	<p>नम्बर अहकाम हुकम में</p>
<p>04.08.17</p>	<p>वकील उमयपक्ष उपन। बहस हेतु समय चाहा। पत्रा. वाहते बहस दि. 23.08.17 को पेश हो।</p>	
<p>23.08.17</p>	<p>वकील उमयपक्ष उपन। पत्रा. वाहते बहस दि. 27.09.17 को पेश हो।</p>	
<p>27.09.17</p>	<p>वकील उमयपक्ष उपन। पत्रा. वाहते बहस दि. 30.10.17 को पेश हो।</p>	
<p>30.10.17</p>	<p>वकील उमयपक्ष उपन। बहस उमयपक्ष सुनी गई। बहस पर मनन किया गया। पक्षकारों के मध्य विवाद का अंतिम निर्णय तो दावा पत्रावली में विहित शास्त्र एवं विहित विवेचन के उपरान्त ही संभव होगा किन्तु हमारी विजय रथ में वाद की बहुलता न हो इसलिए उमयपक्षकारान को रिकार्ड की स्थिति यथावत बनाये रखने हेतु एवं एक-दूसरे के कब्जे काशत में बाधा उत्पन्न नहीं करने हेतु तर्फसला दावा अर्थाई निषेधाज्ञा को पाबन्द किया जाना न्यायोचित होगा।</p> <p>अतः उक्त विवेचन के आधार पर उमय पक्षकारान को तर्फसला दावा अर्थाई निषेधाज्ञा से पाबन्द किया जाता है कि वे भूमि खं.नं. 293, 307, 308, 321 स्थित ग्राम मैडी के रिकार्ड की स्थिति यथावत बनाये रखे। साथ ही पक्षकारान को पाबन्द किया जाता है कि वे एक दूसरे के कब्जे काशत में दरखर्चीदाजी नहीं करें।</p> <p>पत्रावली के सलसुमार टोक नंबर से कम हो एवं बाद तकमील संलग्न मूल वाद रहे।</p> <p style="text-align: right;">  सहायक कलेक्टर एवं कार्यपालक मजिस्ट्रेट गंगापुर सिटी (सं.मां०) </p>	